







सीवान, 23 जनवरी (एजेंसियां)। शराबवंदी वाले विवार में एक बार फिर जहरीली शराब ने कहा मत्तूय है। सीवान जिले में पिछले 24 घंटों में जहरीली शराब पीने से 5 की मौत हो गई है। एक मौत गोपालमंज में भी हुई है। 14 से ज्यादा लोगों की हालत गंभीर है। इनमें 6 लोगों की आंखें की रोशनी चली गईं ऐसा कहा जा रहा है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। जहरीली शराब पीने से अधिकतर मामले जिले के लकड़ी नवींगंज और पी थाना क्षेत्र के बाला और भोपतपुर गांव में हैं। रविवार शाम को अचानक एक-एक करके मरीज सदर अस्पताल आने लगे। देर शाम अस्पताल पहुंचते बैठक एक व्यक्ति की मौत हो गई। रात में दो और लोगों ने दम लोड़ दिया। सीमोवार सुबह 3 लोगों की जांच चली गई। सीलाल मीडिया और गांव के लोगों का कहना है कि मरने की संख्या 8 से ज्यादा है। 41 दिन पहले छपरा में 70 से ज्यादा मौतें हो गई थीं। जहरीली शराब पीने से 14 लोगों की हालत गंभीर है। सीवान में 2 लोगों का इलाज चल रहा है। बाकी 12 लोगों रेफर किया गया है। 3 लोग इलाज के लिए गोरखपुर और 9 लोगों को पटना लाया गया है।

## नेताजी की राह पर शिवपाल यादव

पुराने समीकरण को मजबूत करने की कोशिश, तस्वीरों में दिखी झलक



लखनऊ, 23 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के दिग्यज नेता शिवपाल सिंह यादव अब अपने पुराने अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। जब से सपा में चाचा शिवपाल यादव की वापसी हुई है वे लगातार कार्यकर्ताओं के बीच दिख रहे हैं। इसका साथ असर अखिलेश यादव पर भी दिखने लगा है। इस बीच कुछ तस्वीरों के सम्में अपने अंदाज के बाद कहा जा रहा है कि चाचा शिवपाल अब मुलायम सिंह यादव की राह पर चल निकले हैं। दरअसल, शिवपाल सिंह यादव ने चार तस्वीरें शेयर की हैं। इसमें से कुछ तस्वीर लखनऊ स्थित हजरत मख्दूम शाही मीना शाह की दरगाह की हैं। जहां पर चाचा शिवपाल सिंह यादव ने चाचोपारी की ओर उपके बाद दुआ करते नजर आए। इसकी तस्वीरें उन्होंने अपने ट्विटर पर शेयर की हैं। बात यहीं खत्म नहीं हुई। सपा नेता ने अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर भिजवाई है। इस लिहाज से देखा जाए तो अब वे नेताजी की राह पर दिख रहे हैं।

## गो हत्या के आरोप में अब 12 पुलिसकर्मियों पर होगी एफआईआर

सहारनपुर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में देवबंद क्षेत्र के गांव थीकी में पुलिस मूर्खेड में गोली लगने से मौत हो गई थी। मामले में मृतक की पत्नी अफरोज ने अदालत में प्रत्यन्त पत्र देकर 12 पुलिसकर्मियों पर आरोप मैं सोजाएं कर्तव्यात्मक ने कोर्ट ने तीन सब-इंप्रेक्टर सहित 12 पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं। मामला दर्ज होने के बाद से ही पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। बता दें कि गांव थीकी में 5

अनिल कुमार ने देवबंद कोतवाली के पांच पुलिसकर्मियों, उपनिरीक्षक औंकार सिंह, उपनिरीक्षक यशपाल सिंह, उपनिरीक्षक असगर अली, हेड कार्स्टेबल सुखपाल सिंह, हेड कार्स्टेबल कुरव भरत, प्रमोट कुमार, विपिन कुमार, सेवानिवृत्त कार्स्टेबल राजीव सिंह, सेवानिवृत्त कार्स्टेबल देवेंद्र सिंह, कार्स्टेबल बुद्धि कुमार के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

सिंबंद ने जीवनी लिखी थी कि वे अपने जीवनी की ओर उपके बाद दुआ करते नजर आए। इसकी तस्वीरें उन्होंने अपने ट्विटर पर शेयर की हैं। बात यहीं खत्म नहीं हुई। सपा नेता ने अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर भिजवाई है। इस लिहाज से देखा जाए तो अब वे नेताजी की राह पर दिख रहे हैं।

गो हत्या के आरोप में अब 12 पुलिसकर्मियों पर होगी एफआईआर



प्रतिदावे करने लगे हैं। यूपी बीजेपी

लखनऊ, 23 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिहाज से देश में उत्तर प्रदेश काफी अहम हो जाता है। माना जाता है कि दिल्ली का असार यात्री से होकर ही गुजरता है, इसलिए सभी दल यहां पहले से ही तस्वीर में जुट जाते हैं। अगले साल होने वाले आम चुनावों की उलटी गिनती शुरू होते ही उत्तर प्रदेश के प्रमुख राजनीतिक खिलाड़ी चुनाव परिणामों को लेकर दावे और

लखनऊ, 23 जनवरी (एजेंसियां)। अगले साल होने जा रहे लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी एवं देवबंद क्षेत्र के गांव थीकी में देवबंद क्षेत्र के गोली लगने से मौत हो गई थी। मामले में मृतक की पत्नी अफरोज ने अदालत में प्रत्यन्त पत्र देकर 12 पुलिसकर्मियों पर आरोप मैं सोजाएं कर्तव्यात्मक ने कोर्ट ने तीन सब-इंप्रेक्टर सहित 12 पुलिसकर्मियों पर पत्र की ओर उपरोक्त कार्स्टेबल कार्स्टेबल सुखपाल सिंह, हेड कार्स्टेबल राजीव सिंह, सेवानिवृत्त कार्स्टेबल देवेंद्र सिंह, कार्स्टेबल बुद्धि कुमार के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

सिंबंद ने जीवनी लिखी थी कि वे अपने जीवनी की ओर उपके बाद दुआ करते नजर आए। इसकी तस्वीरें उन्होंने अपने ट्विटर पर शेयर की हैं। बात यहीं खत्म नहीं हुई। सपा नेता ने अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर भिजवाई है। इस लिहाज से देखा जाए तो अब वे नेताजी की राह पर दिख रहे हैं।

गो हत्या के आरोप में अब 12 पुलिसकर्मियों पर होगी एफआईआर

लखनऊ, 23 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिहाज से देश में उत्तर प्रदेश काफी अहम हो जाता है।

माना जाता है कि दिल्ली का असार यात्री से होकर ही गुजरता है, इसलिए सभी

दल यहां पहले से ही तस्वीर में जुट जाते हैं। अगले साल होने वाले आम चुनावों की उलटी गिनती शुरू होते ही उत्तर प्रदेश के प्रमुख राजनीतिक खिलाड़ी चुनाव परिणामों को लेकर दावे और

लखनऊ, 23 जनवरी (एजेंसियां)। अगले साल होने जा रहे लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी एवं देवबंद क्षेत्र के गांव थीकी में देवबंद क्षेत्र के गोली लगने से मौत हो गई थी। मामले में मृतक की पत्नी अफरोज ने अदालत में प्रत्यन्त पत्र देकर 12 पुलिसकर्मियों पर आरोप मैं सोजाएं कर्तव्यात्मक ने कोर्ट ने तीन सब-इंप्रेक्टर सहित 12 पुलिसकर्मियों पर पत्र की ओर उपरोक्त कार्स्टेबल कार्स्टेबल सुखपाल सिंह, हेड कार्स्टेबल राजीव सिंह, सेवानिवृत्त कार्स्टेबल देवेंद्र सिंह, कार्स्टेबल बुद्धि कुमार के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

सिंबंद ने जीवनी लिखी थी कि वे अपने जीवनी की ओर उपके बाद दुआ करते नजर आए। इसकी तस्वीरें उन्होंने अपने ट्विटर पर शेयर की हैं। बात यहीं खत्म नहीं हुई। सपा नेता ने अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर भिजवाई है। इस लिहाज से देखा जाए तो अब वे नेताजी की राह पर दिख रहे हैं।

गो हत्या के आरोप में अब 12 पुलिसकर्मियों पर होगी एफआईआर

लखनऊ, 23 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिहाज से देश में उत्तर प्रदेश काफी अहम हो जाता है।

माना जाता है कि दिल्ली का असार यात्री से होकर ही गुजरता है, इसलिए सभी

दल यहां पहले से ही तस्वीर में जुट जाते हैं। अगले साल होने वाले आम चुनावों की उलटी गिनती शुरू होते ही उत्तर प्रदेश के प्रमुख राजनीतिक खिलाड़ी चुनाव परिणामों को लेकर दावे और

लखनऊ, 23 जनवरी (एजेंसियां)। अगले साल होने जा रहे लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी एवं देवबंद क्षेत्र के गांव थीकी में देवबंद क्षेत्र के गोली लगने से मौत हो गई थी। मामले में मृतक की पत्नी अफरोज ने अदालत में प्रत्यन्त पत्र देकर 12 पुलिसकर्मियों पर आरोप मैं सोजाएं कर्तव्यात्मक ने कोर्ट ने तीन सब-इंप्रेक्टर सहित 12 पुलिसकर्मियों पर पत्र की ओर उपरोक्त कार्स्टेबल कार्स्टेबल सुखपाल सिंह, हेड कार्स्टेबल राजीव सिंह, सेवानिवृत्त कार्स्टेबल देवेंद्र सिंह, कार्स्टेबल बुद्धि कुमार के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

सिंबंद ने जीवनी लिखी थी कि वे अपने जीवनी की ओर उपके बाद दुआ करते नजर आए। इसकी तस्वीरें उन्होंने अपने ट्विटर पर शेयर की हैं। बात यहीं खत्म नहीं हुई। सपा नेता ने अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर भिजवाई है। इस लिहाज से देखा जाए तो अब वे नेताजी की राह पर दिख रहे हैं।

गो हत्या के आरोप में अब 12 पुलिसकर्मियों पर होगी एफआईआर

लखनऊ, 23 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी एवं देवबंद क्षेत्र के गांव थीकी में देवबंद क्षेत्र के गोली लगने से मौत हो गई थी। मामले में मृतक की पत्नी अफरोज ने अदालत में प्रत्यन्त पत्र देकर 12 पुलिसकर्मियों पर आरोप मैं सोजाएं कर्तव्यात्मक ने कोर्ट ने तीन सब-इंप्रेक्टर सहित 12 पुलिसकर्मियों पर पत्र की ओर उपरोक्त कार्स्टेबल कार्स्टेबल सुखपाल सिंह, हेड कार्स्टेबल राजीव सिंह, सेवानिवृत्त कार्स्टेबल देवेंद्र सिंह, कार्स्टेबल बुद्धि कुमार के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

सिंबंद ने जीवनी लिखी थी कि वे अपने जीवनी की ओर उपके बाद दुआ करते नजर आए। इसकी तस्वीरें उन्होंने अपने ट्विटर पर शेयर की हैं। बात यहीं खत्म नहीं हुई। सपा नेता ने अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर भिजवाई है। इस लिहाज से देखा जाए तो अब वे नेताजी की राह पर दिख



## सबसे खराब अपराध

भला यह भी कोई अपराध है कि कोई अपने ट्रैक्टर पर तेज आवाज में संगीत बजाए तो उसकी जान ही ले ली जाए। जो हाँ, कुछ ऐसा ही आरोप महाराष्ट्र के सोलापुर में दो पुलिसकर्मियों पर लगा है, जिन्होंने उक्त ट्रैक्टर चालक युवक को इतनी बर्बरता से पिटाई की कि उसकी मौत हो गई। इसी मामले में मुंबई हाई कोर्ट की ओरंगाबाद पीठ ने महाराष्ट्र सरकार को यह निर्देश दिया कि वह पुलिस हिरासत में मारे गए युवक की मां को मुआवजे के तौर पर पंद्रह लाख रुपए भुगतान करे। बता दें कि किसी शिकायत के आधार पर अगर पुलिस आरोपी को हिरासत में लेती या गिरफ्तार करती है तो उससे आगे की समूची कार्रवाई के लिए बाकायदा कानूनी प्रक्रिया निर्धारित है। इसमें आरोपी के खिलाफ इतनी हिंसा करना या उसे इस हद तक प्रताड़ित करना कि उसकी मौत हो जाए, किसी भी हाल में स्वीकार्य व्यवस्था नहीं है। यह एक तरह से कोई आरोप या अपराध सावित हुए बिना ऐसी सजा होती है, जो कानूनी कसौटी पर मिलने वाली मौत की सजा के बराबर ही मानी जाती है। इस तरह के घटना को अपराध के सिवा कुछ भी नहीं कहा जा सकता। इसके बावजूद लंबे समय से पुलिस के इस तरह के व्यवहार पर सवाल उठने और यहां तक कि अदालतों की ओर से नाराजगी जताए जाने के बाद भी इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा सका है। अब एक बार फिर इस मौत के मामले पर बंवई हाई कोर्ट ने कहा है कि हिरासत में मौत सभ्य समाज में सबसे खराब अपराधों में से एक है और अधिकारों की आड़ में पुलिस नागरिकों को इस तरह अमानवीय तरीके से प्रताड़ित नहीं कर सकती। हाई कोर्ट के फैसले से स्पष्ट है कि किस तरह बिना किसी बड़ी बजह के युवक को पुलिसकर्मियों ने न सिर्फ पकड़ा, बल्कि उसकी इतनी पिटाई की कि उसकी मौत ही हो गई। सवाल लाजमी है कि आखिर पुलिसकर्मियों को इस कदर बेलगाम बर्ताव करने की इजाजत किसने दी। उनके भीतर इस तरह से मारपीट करने का सुरक्षित रहने का भाव कहां से आया? देखा जाए तो अगर युवक तेज आवाज में संगीत बजा कर कुछ गलत कर रहा था तो उसे कानून के दायरे में रह कर रोका जा सकता था। लेकिन सिर्फ तेज आवाज में संगीत बजाने के लिए उसकी जान ले लेने तक यातना देने की छट किस कानून के तहत ऐसे पुलिस वालों को मिल जाती है।

है? अदालत ने कहा कि पुलिस के पास लोगों की गतिविधियों और अपराध को नियंत्रित करने की शक्ति मिली है, लेकिन वह शक्ति इतनी भी नहीं दी गई है कि उसकी आड़ में पुलिसकर्मी किसी नागरिक के खिलाफ अमानवीय तरीके से व्यवहार करते फिरें। सुरीम कोर्ट 1996 में ही स्पष्ट कर चुका है कि हिरासत में मौत कानून के शासन में सबसे जघन्य अपराध है। तब शीर्ष अदालत ने किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी के दौरान पुलिस के व्यवहार को लेकर नियम भी निर्धारित कर दिए थे। लेकिन समय बीतने के साथ ही तस्वीर कितनी बदली है, यह आए दिन पुलिस हिरासत में होने वाली हिंसा और मौत की घटनाओं से पता चलता रहता है। इस तरह की जघन्य घटनाओं को किसी भी हाल में सामान्य नहीं माना जा सकता। ऐसे मामलों में कायदे से आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन आमतौर पर होता यह है कि पीड़ित व्यक्ति या उसके परिजन को मुआवजा देकर मामले में न्याय हुआ मान लिया जाता है। सच यह है कि पुलिस-व्यवस्था में तत्काल बड़े सुधार की जरूरत है। इसके साथ ही पुलिसकर्मियों को कानूनी दायरे और संवेदनशील व्यवहार को लेकर पर्याप्त स्तर तक प्रशिक्षित करने की भी जरूरत महसूस की जाने लगी है। चिंताजनक है कि हर साल देश भर में सैकड़े लोग हिरासत में पुलिस हिंसा के शिकार होते हैं, जिनमें से बहुतों की जान चली जाती है। इसके बाद भी आज तक अपने देश का प्रशासकीय अमला सुधरने का नाम नहीं ले रहा है।

# ਨਜ਼ਰ ਹਟੀ... ਪ੍ਰਤੀ ਬਟੀ

अ त रं गी  
लाल महान  
ज्ञानी इंसान हैं  
आज अपनी  
खटारा स्कूटी  
पर सफर  
करते हुए  
सामने से  
गुजरते ट्रक  
पर फिर से स्लोगन पढ़ लिया  
...नजर हटी.. पूड़ी बटी इस  
स्लोगन के सारे शब्द अंतर्धान  
हो गए लेकिन पूड़ी शब्द उनके  
दिमाग में और उनकी जबान पर  
रह गया अतरंगी लाल मुफ्त की  
बटने वाली पुडियों के बेहद  
कायल इंसान हैं कहते हैं.. जैसा  
स्वाद मुफ्त की पूड़ी में आता है  
वैसा तो घर के बने छप्पन भोग  
में भी नहीं आता है उनका मानना  
है कि दाने दाने पर लिखा होता  
है खाने वाले का नाम

को चुनाव का इंतजार रहता है  
उन्होंने इसके लिए सारा इंतजाम  
करके रखा है सफेद झाकाझाक  
कुर्ता, पजामा, टोपी यह विशेष  
आभूषण है पार्टी अनुसार गमछे  
का भी प्रबंध कर रखा है जहां  
जैसी पार्टी पूड़ी वैसे गमछे का  
रंग बदल जाता है जिससे वह  
अपना हार सिंगार पटार करके  
निकलते हैं वह विशेष अवसरों  
पर ही निकालते हैं जो हर जगह  
काम आता है।

चाहे किसी की मय्यत में जाना  
हो या चुनाव प्रचार में जाना हो  
उनके पास इन सब का अनुभव  
है उनके कलेक्शन के बजह से  
ही चुनावी सभा और रैलियों के  
वक्त सबसे पहले उन्हें याद  
किया जाता है। उनको पता है कि  
जेब से फक्कड़ और बेरोजगार  
को पूड़ी खाने देखने और छूने  
का का शाख अवसर कब्ज़ दर्लीभ



डॉ. चक्रपाल सिंह

वर्ष 2014 में राष्ट्रीय न्यायिक सेवा प्रा । धि क र ण (एनएलएसए) के एक निर्णय के द्वारा किन्नर (सेक्स विकलांग !) समुदाय को तीसरे लिंग (थर्ड जेंडर) साथ साथ माननीय द्वारा इन्हें शैक्षिक तथा सार्वजनिक प्रदान किया जा दांसजेंडर अधिकार 2016 पारित किए । 19 में इसे क्रान्ति की है तब से राज्यों की सदाय के लिए विभिन्न नरी योजनाएं अमल में आयी हैं। इनमें से एवं रुद्धिवादी सोच के चलते आज भी किन्नर समुदाय न केवल सामाजिक भेदभाव एवं तिरस्कार की जिन्दगी जीने के लिए अभिशप्त है बल्कि इनका अपने अपने कार्य क्षेत्र में काम करना आज भी दुष्कर है। समय समय पर इस तरह की घटनाएं अखबारों की सुर्खियाँ बटोरती रहती हैं अभी हाल में पांचजन्य तथा ऑर्गनाइजर को दिए एक साक्षात्कार में किन्नर समुदाय को लेकर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सररंघ चालक डॉ मोहन भागवत द्वारा की गयी टिप्पणी ने एकबार फिर इस समुदाय को वैचारिक बहस के केंद्र में ला दिया है। डॉ भागवत कहते हैं कि - “तृतीय पंथी लोग (थर्ड जेंडर) समस्या नहीं है। उनका अपना सेक्ट है। उनके अपने देवी देवता हैं। अब तो उनके महामंडलेश्वर भी हैं कुम्ह में भी उनके स्थान मिलता है।

में सरकारी नौकरियों में जैसी पहलें शामिल चिकित्सा, शिक्षा, नेत्र के बंद दरवाजे जा चुके हैं किन्तर तरोतर कल्याणकारी समय समय पर सभी स्थिति दर्ज करा रहे दिल्ली एमसीडी के क्षेत्र से बॉबी किन्नर आज उदाहरण है इन दो योग समाज में किन्नर बहचान के लिए न, बल्कि सामाजिक का आज भी शिकार कानूनी अधिकार एवं 21वीं सदी में भी आत्मसात करने में है बल्कि व्यवहारिक सोच में कोई विशेष समाज की परंपरा वे जन जीवन का हिस्सा हैं और में जन्म होता है। तो वह गाना गाने के लिए आते हैं। परम्पराओं में उन्हें समाहित कर लिया है उनका एक अलग जीवन भी चलता है और सारे समाज के साथ कहीं न कहीं जुड़ कर भी वे काम करते हैं। "विषय पर आगे बढ़ने से पहले हम किन्नरों को समझने की कोशिश करते हैं, , जिन्हें अलग- अलग भाषाओं में अलग अलग नाम से जाना जाता है। ऐसे मुख्यन्स (अरबी), शिखंडी, जनखा, नरदारा, बहन्नला, कंचुकी, छक्का, कोज्जालु (तेलगू), हिंजडा, नपुंसक इत्यादि इत्यादि। भाषा की दृष्टि से ये शब्द हिंजडा शब्द के सटीक पर्याय नहीं हैं। परन्तु, व्यवहार में ये शब्द इनके लिए समाज में खब प्रयोग किए जाते हैं। जिनका अर्थ है कि स्त्री-पुरुष जननांगों के स्पष्ट अभाव वाला वह व्यक्ति जो न तो स्त्री है और न ही पुरुष है। जिसमें सेक्स हारमोन स्त्रा की कोई संभावना नहीं है, विभिन्न दंत कथाओं से जोड़ा जाता है महाभारत के शिखंडी को इसी समुदाय से संबंधित किया जाता है, जिसकी उत्पत्ति की अपनी अलग कहानी है यदि शिखंडी को आदि किन्नर मान भी लें तो भी उसके द्वारा बहादुरी के साथ जमकर युद्ध करने का प्रसंग महाभारत में है। यह घटना दर्शाती है कि ये अपने परिवार के बीच सम्मानपूर्वक रहते थे।

सामाजिक परिवारिक आयोजनों में शिरकत करते थे इनके लिए आज की तरह अलग से बस्तियां बसाकर अलग समुदाय के रूप में रहने का कोई विशेष एवं ठोस उल्लेख नहीं मिलता है। यहाँ विचारणीय प्रश्न ये है कि हिंजड़ों के हिंजड़ों पैदा तो नहीं होते हैं, हो भी नहीं सकते, तो फिर ये आते कहाँ से हैं? निश्चित तौर पर ये समाज की ही कोख से पैदा होते हैं। इन्हें किसके पाप - पुण्य की उत्पत्ति माना जाए? समाज की, माँ-बाप की या फिर अपने पूर्व कर्मों अथवा

माँ बाप के पूर्वजन्म के पापों की? यदि ऐसा है, जो कि वास्तव में नहीं है, तो स्पष्ट है कि यह एक शारीरिक विकलांगता है, जिसके निर्धारण में इनकी कोई भूमिका नहीं है। यह गर्भ के अन्दर जीवन निर्माण की एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें बहुत से कारक काम करते हैं। तो फिर प्रश्न उठता है कि आखिर इनका दोष क्या है?

यह किस दोष अथवा पाप की सजा भुगत रहे हैं, कि समाज से अलग एक समुदाय के तौर पर अपमानजनक जिन्दगी जीने के लिए अभिशप्त हैं। मानवीय दृष्टिकोण से सोचने का विषय है कि किन्तु इनके प्रति अमानवीय व्यवहार के पीछे निरक्षरता, अंधविश्वास, रुद्धिवाद, गरीबी, मानसिक संकीर्णता एवं सामाजिक वैज्ञानिक चेतना के अभाव के अतिरिक्त और कुछ नहीं है। अतः आवश्यक हो जाता है कि किन्तु इनके परिवार तथा समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए तुरंत गंभीर एवं सार्थक कदम उठाए जाने चाहिए। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मन्त्रालय को इनके कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा संबंधी योजनाएं बनाने, उन्हें मन्त्रालय की कार्यसूची में शामिल करने की दिशा में तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। किन्तु इनको संविधान संशोधन द्वारा या फिर सिर्फ विकलांगता एवं आरक्षण की श्रेणी में शामिल करने भर से सदियों के सामाजिक अभिशप्त से मुक्त नहीं किया जा सकता है। यह सब सिर्फ कानन द्वारा सुनिश्चित करना भी संभव नहीं है। अंततः यह तो समाज को ही तय करना होगा कि उसकी ही कोख से जन्मे सेक्स विकलांग ! बच्चों के प्रति उसका रवैया क्या हो? इसका उत्तरदायित्व समाज पर ही है। आज के युग में कोई भी समझदार व संवेदनशील माँ बाप अपने सेक्स विकलांग ! बच्चे को

## आतंकवाद, भारत विभाजन की विभीषिका और अखंड भारत



## मुमाप त्रिपाठी

हाल ही में जैरी में रगेट किलिंग सात हिंदुओं को जान गई थी उधर कि स्त । न लिये ज्यादा सुरक्षा जनक हो सकता है। फिर भी हालात इतने बुरे थे पाकिस्तान के मुस्लिम बलबाई जत्थों पर हमला करके सामान, महिलाओं, युवतियों को लूट लेते थे फिर भी जत्था रुकता नहीं था और चलता ही जाता था। विस्थापित हो और दुर्भावना के जहर को खत्म करने के लिए न केवल प्रेरित करेगा, बल्कि इससे एकता, सामाजिक सद्व्यवहार और मानवीय संवेदनाएं भी मजबूत होंगी। देश के इतिहास में 14 अगस्त की तारीख आंसुओं से लिखी गई है। यहीं वह महिलाओं के साथ रेप से दो लाख तक महिले तो अपहरण हुए या जबरन पाकिस्तान में ही गया। सबसे ज्यादा प्रत समाज के दलित वर्ग क्योंकि अज्ञानता, नि

# रत हुआ। एक गांडों का या फिर उन्हें रोक लिया गाड़ा हिन्दूर्धी की हुई धन्ता के

## दुनियाभर में त्रस्त हैं लड़कियाँ फिर भी नाप रही हैं नए आकाश

दुनियाभर में त्रस्त हैं लड़कियाँ  
फिर भी नाप रही हैं नए आकाश

सबसे पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बालिका दिवस मनाने की पहल एक गैर-सरकारी संगठन 'प्लान इंटरनेशनल' द्वारा की गई थी। इस संगठन ने क्योंकि मैं एक लड़की हूँ नाम से एक अभियान शुरू किया था। इसके बाद इस अभियान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार देने के लिए कनाडा सरकार से संपर्क किया गया तो कनाडा सरकार ने संयुक्त राष्ट्र की 55 वीं आम सभा में इस प्रस्ताव को खाली और संयुक्त राष्ट्र ने 19 दिसंबर, 2011 को इस प्रस्ताव को पारित कर दिया। इसके लिए २४ जनवरी का दिन चुना गया। भले ही राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर डॉटर्स डे बालिका दिवस या बेटी दिवस जैसे आयोजन हो रहे हैं लेकिन आज भी दुनिया भर में लड़कियों की हालत क्या है यह कोई छुपा रहस्य नहीं है आइए एक नजर डालते हैं बेटियों और उनके हाल तथा हालात पर।

**खराब हैं हाल:** गरीब अफ्रीकी व एशियाई व दक्षिणी एशियाई मुल्कों में तो लिंग भेद से बालिकाओं का हाल बेहाल है। एक सर्वे के मुताबिक अकेले भारत में 2022 में करीब 8.7 लाख कन्याओं की भ्रूण हत्या हुई यानि उन्हे जन्म लेने से पहले ही मार डाला डाला गया। इस तथ्य के आलोक में देखें तो आज भी दुनिया में बालिकाओं की हालत खराब है। लिंगानुपात बिगड़ना तय अगर यही हाल रहा लिंगानुपात बिगड़ना तय है और जैसे जैसे लिंग दर में अंतर आएगा अनेक समस्याएं पैदा होंगी। भारत में ही लिंगानुपात भी हैं तो दहेज की भारी मांग जान निकालने की हद तक जा रही है।

उत्तर व मध्य भारत में खासतौर पर दहेज, छेड़छाड़ की घटनाएं, बलात्कार, शिक्षा व पालन पोषण पर बढ़ता बेतहाशा खर्च, बेटे बेटी का भेदभाव व समाज की दकियानूसी सोच मुख्य वजह है।

**दोहरापन :** हमारे करने व कहने में दोहरापन है, लड़कियों की शादी के बाद भी सुरक्षा की गारंटी नहीं रह गयी है, दहेज हत्याएं व प्रताड़नाओं की दर लगातार बढ़ रही है विवाह को दो आत्माओं का मिलन मानने वाले हिन्दू समाज में भी तलाक की दर बहुत उच्च हो गई है। सरकार के तमाम प्रयासों के बाद भी मुसलमानों में आज भी तीन तलाक की कुप्रथा रुकने का नाम नहीं ले रही है। कानून तो है पर बेअसर व अव्यावहारिक हैं। तलाक की दर 34 प्रतिशत तक जा पहुंची है जो भयावह है।

**शोषण ही शोषण :** आज लड़की खतरे में है। उसे उस सभ्य समाज से अपने अस्तित्व के लिए लड़ना पड़ रहा है जो उसे कभी पूजता है तो कभी मारता दुक्तारता है। पाखंडी व आडंबरी समाज अपनी जननी को ही जड़ों से उखाड़ फेंकने पर आमादा है। बेटी के नाम पर सौ-सौ कसमें खाने वाले ही उसे पीड़ा दे रहे हैं। बेटी को पराई कहने वालों ने कभी उसे हृदय से स्वीकार किया ही नहीं। दुखद पहलू यह है कि बेटी के शोषण की शुरूआत हमारे घरों से ही होती है।

**घुटन व पीड़ा :** आज कस्बों व शहरों में 'बालिका बचाओ' व 'महिला सशक्तिकरण' विषयों पर चर्चाएं

असंतुलन के आंकड़े भय पैदा करने वाले हैं। जनगणना आंकड़ों के मुताबिक 1991 में देश में प्रति एक हजार बालकों पर 972 बालिकाएं थीं। जबकि 2001 की जनगणना में एक हजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या 933 मात्र रही। वहीं 2011 में 861 बालिकाएं प्रति एक हजार लड़कों पर दर्ज की गई थी और अभी-अभी तथ्य सामने आया है कि हरियाणा में प्रति 1000 बालकों पर लड़कियों की संख्या 800 से भी कम आंकी गई है। लड़कियां क्यों नहीं? आखिर हम बच्चियां क्यों नहीं चाहते? या उन्हे गर्भ में ही क्यों मार डालने पर उत्तर है। आइए, एक नजर उन परिस्थितियों पर डालें जिन की वजह से हर मां बाप बेटे को बेटियों पर वरीयता देते हैं। गरीबों में बेटी का जन्म इसलिए ज्यादा डर पैदा करता है क्योंकि उसके शादी ब्याह बेहद महंगे हो गए हैं, पढ़े लिखे रोजगार में लगे वर व अच्छे घर नहीं मिलते हैं मिलते

व सेमीनार तो बहुत होते हैं पर यथार्थ में बेटियां आज भी 'बेचारी' हैं। उनके खान-पान से लेकर शिक्षा व कार्य में उनसे भेदभाव हमारे समाज में है आम बात है। दुखद तो पहलू ये है कि इस परंपरा के बाहक अशिक्षित व निम्न व मध्यम वर्ग ही नहीं है बल्कि उच्च व शिक्षित समाज भी है। आज डरी हुई लड़कियों को घर में रहने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। घर से शुरू होने वाले शोषण की वें इतनी आदि हो जाती है कि अपने ऊपर होने वाले अत्याचार का जिक्र तक नहीं करती नहीं है। **प्रोत्साहन योजनाएं:** लगातार घटती बेटियों की संख्या भारी चिंता का सबब होना तो चहिए पर है नहीं। हालांकि केरल जैसे कुछ राज्यों ने इस धृणित प्रवृत्ति को गंभीरता से लिया और इस रोकने के लिए अनेक प्रभावकारी कदम उठाए हैं। गुजरात में भी 'डीकरी बचाओ' अभियान चला है।

## सांपों ने मीडिया में दिए बयान ॥



रामाविलास जागड़

तालाब की कीचड़-काची में हमारा भी कोई मोल बोला जाए। तालाब की सियासत में मोल-भाव का रंग घोला जाए। शीघ्र ही अपने-अपने स्वार्थ की अपने-अपने ढंग की तरह जुलाई गई कुर्सी मोल के बोल, सियासी तालाब के पट खोल। मैंदकों ने तरह-तरह के सुर में टर्णना शुरू किया। सांपों ने मीडिया में अपने बयान जारी करने शुरू कर दिए केकड़ों ने अलग से अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू की। कुछ सांपों और केकड़ों ने भी तराज की मांग की

सभी मेंढकों कहा कि हमें इधर कुछ मछलियां विजयी मुद्रा में अपने मास्क हटाने लगी। सरकारी तालाब का कीचड़ देखते ही देखते रिसोर्टों होटलों से होते हुए तमाम मीडिया तक पसर गया। अपने-अपने गुटों के अपने-अपने चैनल खरखराने लगे। अपने-अपने तराजू, अपने-अपने तोलक। मेंढकों को तराजू में तोलना, मेंढकों का बोलना। यह सब जगजाहिर है! मेंढकों के तोलने में अलादीन के चिराग ने धुआं बन फिर से चिराग में घुसने की होशियारी दिखाई थी। दो बिल्लियों की लड़ाई में तौलक महाराज बंदर का किस्सा सुनकर हातिमताई ने दृग्स्वनामों से तलाक ले लिया था। इसी तुलाई कार्यक्रम के कारण सिंदबाद जहाजी ने अपनी यात्रा को त्यागपत्र दे दिया था। इस पलड़े से उस पलड़े, इस रिसोर्ट से उस होटल। फटकते रहे मेंढक! टर्नने का मामला भी जगजाहिर है! वे ट्रिवटर पर इतने टराये कि ट्रिवटर खुद ही बहरा हो गया। मेंढक इतराते, मुस्कुराते बड़ी अदा से अपनी बोलियां लगवा रहे हैं। जहां राजा महाराजा भी बिकने को उतावले हो जाते हैं, वहां एक छोटे से मेंढक की क्या बिसात! मेंढक तुल रहे हैं। टर्न रहे हैं। इस तालाब से उस तालाब तक। सियासी तालाब के कीचड़ में छप-छपा रहे हैं। छप-छप छई! मेंढकों के बीच मार माथा-फोड़ी चल रही है। एक गैंग ने दूसरे गैंगीय मेंढकों के पीछे खड़े होकर तीसरे मेंढक गैंग को ललकारा। यहां चौथा गैंग सरकारी तालाब में असरकारी ढंग से कुलांचे मार रहा है। इसी समय मेंढकों का 10 वां गैंग दूसरे से तीसरे गैंग में फुकने लगा। तत्काल ही गैंग दल-दल में बदल गया। कुल मिलाकर पहुआ कि सरकारी तालाब दल-दल हो लिया। यह का रूप धारण करके दल-दल में जगह बदल कई बार ऐसा हुआ कि आँड़ीयोवाणी के साथ लग गए। कुछ केकड़े वीडियो पाठ भी शुरू बड़े दलाल सांपों ने वासंपों को अपने साथ ले कीचड़ में अपने फन पैकर दिए। राजनीति सरसराने लगी। बड़ी मछलियां तालाब को घड़यंत्र पूल लगी। मेंढक मछली निगलने लगे। मछली करे? वे भी केकड़े रसांप मेंढकों की फैलाकर तसल्ली से बैठे से सरकारी तालाब में महाभारत मच गया।

देश में प्रति एक हजार बालकों पर 972 बालिकाएं थीं। जबकि 2001 की जनगणना में एक हजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या 933 मात्र रही। वहीं 2011 में 861 बालिकाएं प्रति एक हजार लड़कों पर दर्ज की गई थी और अभी-अभी तथ्य सामने आया है कि हरियाणा में प्रति 1000 बालकों पर लड़कियों की संख्या 800 से भी कम अंकीं गई है। लड़कियां क्यों नहीं? आखिर हम बच्चियां क्यों नहीं चाहते? या उन्हे गर्भ में ही क्यों मार डालने पर उतार हैं। आइए, एक नजर उन परिस्थितियों पर डालें जिन की वजह से हर मां बाप बेटे को बेटियों पर वरीयता देते हैं। गरीबों में बेटी का जन्म इसलिए ज्यादा डर पैदा करता है क्योंकि उसके शादी व्याह बेहद महंगे हो गए हैं, पढ़े लिखे रोजगार में लगे वर व अच्छे घर नहीं मिलते हैं मिलते लिकर शिक्षा व काय में उनसे भेदभाव हमारे समाज में आम बात है। दुखद तो पहलू ये है कि इस परंपरा के बाहक अशिक्षित व निम्न व मध्यम वर्ग ही नहीं हैं बल्कि उच्च व शिक्षित समाज भी है। आज डरी हुई लड़कियों को घर में रहने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। घर से शुरू होने वाले शोषण की वें इतनी आदी हो जाती है कि अपने ऊपर होने वाले अत्याचार का जिक्र तक नहीं करती नहीं हैं। **प्रोत्साहन योजनाएं:** लगातार घटती बेटियों की संख्या भारी चिंता का सबब होना तो चहिए पर है नहीं। हालांकि केरल जैसे कुछ राज्यों ने इस घृणित प्रवृत्ति को गंभीरता से लिया और इसे रोकने के लिए अनेक प्रभावकारी कदम उठाए हैं। गुजरात में भी “डीकरी बचाओ” अभियान चला है।



मैस्या यशोदा नन्तर बहुत परेशान थी, एक बार कहन्हैया ने मिट्टी खाई जिसपर मैस्या उनका मुख खोलकर देखने लगी की सच में मिट्टी खाई या नहीं,

कहन्हैया के मुख में मैस्या को ब्रह्माण्ड दर्शन हुआ जिससे मैस्या हैरान और बेहोश हो गयी।

वैसें तो हर माँ अपने बच्चे से बहुत प्यार करती है, उसका बच्चा उसके लिए दुनिया का सबसे सुंदर बच्चा होता है, पर ज्या सोचिए क्या हो अगर अखिल ब्रह्माण्ड नायक परमेश्वर स्वयं आपका बालक बनकर आए और आपको गोद में खेले, सोचते ही मन ममता और उल्लास से भर जाता है परंतु यह सौभाग्य आजतक केवल माँ यशोदा एवं माँ कौशल्या को ही प्राप्त हुआ है। पर क्या आपको पता है की इसी वात्सल्य भाव में एक बार मैस्या यशोदा बेहोश भी हो गयी थीं...? अगर नहीं! तो आइये जानते हैं कहन्हैया की इस सुंदर लीला के बारे में, जब कहन्हैया ने खाई मिट्टी:

श्रीमद्भागवदपुराण में वर्णन आता है की युटों चलते श्रीकृष्ण इतने नन्तर थे कि कोई न कोई शीतानी करते रहते थे, जिससे यशोदा माता बार-बार उहें आकर देखतीं कि कहीं चोट तो नहीं लगी। एक बार कहन्हैया, बलराम और श्रीदामा तीनों धमा चौकड़ी मचा रहे थे, वहीं आँगन में तुलसी का एक पौधा लगा था, खेलते खेलते कान्हा उस तुलसी के पौधे के पास पहुँच गए, तभी श्रीदामा जार से चिल्लाया- “कृष्ण ने मिट्टी खाई, कृष्ण ने मिट्टी खाई।” यह सुनकर माता यशोदा छोड़ी आई। वे एक छोड़ी लाई थीं। कृष्ण समझ गए अब तो पिटाई दीरी। माता यशोदा बोली- “कान्हा! त बहुत परेशान करने लगा है। आज तुने मिट्टी खा ली। लोग कहेंगे कि मैं तुझ मक्खन नहीं देती। बता तुने मिट्टी क्या खाई?” कृष्ण बोले- “माता! मैंने मिट्टी नहीं खाई। श्रीदामा बोला- “माता! इसका मुख खोलकर देख लो या दाक से पूछ लो।” बलराम ने यह सोचकर कि मैस्या कान्हा को मरेगी, कह दिया कि उहोंने नहीं देखा, श्रीदामा ने देखा है और उसे ही आवाज लगाई थी। अब तो श्रीदामा चुप कि यदि श्रीकृष्ण की पिटाई हुई तो पूरा दोष उस पर ही आएगा।

अतः वह यशोदा से बोला “मैस्या! मैंने इसे मिट्टी खाते तो नहीं देखा लेकिन यह तुलसी के पास गया था। इसलिए मैंने गूँही कह दिया।” जब यशोदा को हुए समस्त ब्रह्माण्ड के दर्शनः यशोदा बोली- “ अभी देखती हूँ। कान्हा! मूँह खोल।” श्रीकृष्ण ने मूँह खोल दिया। यशोदा ने पास आकर मूँह में झाँका तो आश्चर्यकरत रह गई। उनके मूँह में उहें साग ब्रह्माण्ड दिखाई दिया। सूरज, चाँद, सितार, घूमती हुई पूर्वी। यशोदा यशोदा बेहोश हो गयी। जब कहन्हैया ने फैलाइ अपनी मायाः यह देखकर कहन्हैया भी सोचते लगे कि माता यशोदा ने मेरा तत्व पूर्णतः समझ लिया है और उन्होंने तूरत अपनी शक्ति रुपी माया विस्तृत कर दी जिससे यशोदा क्षण में ही सबकुछ भल गई। शोड़ी देर बाद जब मैस्या को होश आया और उन्होंने आखे खुलाँ तो सब सामान्य था। वे भूल गई कि अभी-अभी उन्होंने कान्हन-सा चमत्कार देखा था। वे दुलार के साथ बोली- “मेरी तुलसी मिट्टी नहीं खा सकता।” यह कहकर उन्होंने कृष्ण को गोद में उठा लिया और उहें प्यार करने लगी। इस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने माता को अपने मुख में समस्त ब्रह्माण्ड के दर्शन करा दिए।

## चारों वेदों की ज्ञाता थीं ऋषि अत्रि की बेटी अपाला

चर्म रोग के कारण पति ने छोड़ा फिर कैसे बर्नीं परम सुंदरी

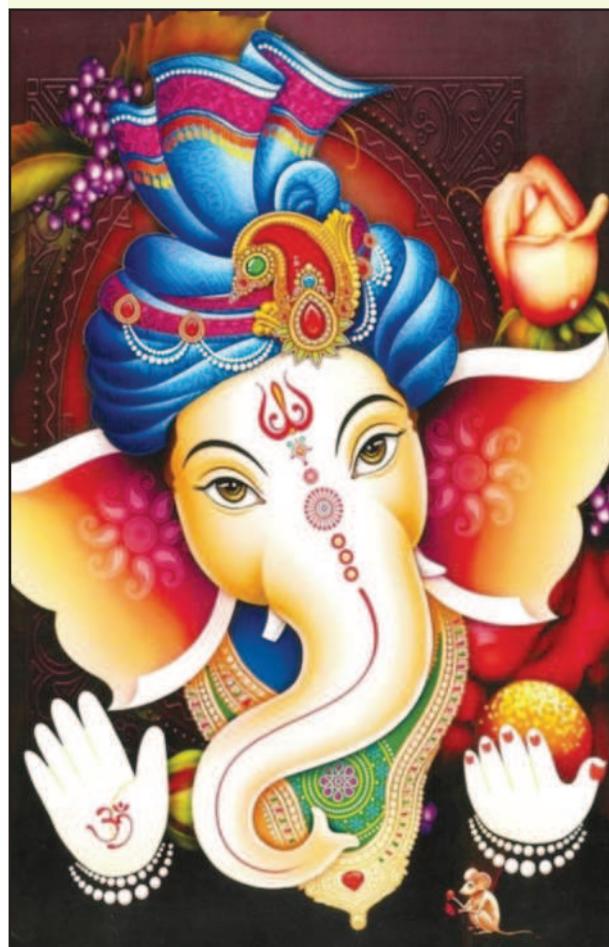


ऋग्वेद में ऋषि कन्या अपाला की कथा बहुत प्रसिद्ध है। यह ऋषि अत्रि की एकमात्र कन्या थीं, जो चम रोग से पीड़ित थीं। इस रोग के बढ़ने पर उसके पात उससे घुणा उत्तरे लगे थे औ देख उसने पिता के आश्रम में लौटकर तप व वेद वेद की रचना की। जिससे प्रसन्न होकर देवराज ईश्वर ने उसका रोग दूर कर मुद्रार प्रदान की। आइए आज आपको उसी अपाला की पूरी कथा बताते हैं।

### अपाला की कथा

पंडित रामचंद्र जोशी के अनुसार अपाला महर्षि अत्रि की एकमात्र पुत्री थीं। वह इतनी बुद्धिमान थीं कि वेदों की ऋचाएं एक बार पढ़कर ही कंठस्थ यात्रा कर लेती। चारों वेदों को याद कर वह जल्द ही वेदज हो गई थी। पर अपाला उपवास से विवाह को लेकर चिंता सताने लगी। इसी बीच एक दिन कृश्ण नाम के ऋषि अत्रि के आश्रम आए। जिन्होंने अपाला से विवाह करना स्वीकार कर लिया। विवाह के बाद दोनों सुख से रहने लगे थे। पर धीरे-धीरे अपाला का चम रोग बढ़ने लगा। इससे घुणा करने लगे। ये देख अपाला वापस अपने पिता के आश्रम में लौट आई थीं। उसने ऋषि अत्रि के कहने पर तप करते हुए देवराज ईश्वर के प्रश्नसि त्रिमत्री की रचना की। इससे प्रभावित होकर देवराज ईश्वर ने उसे दर्शन दिया। जब ईश्वर हुए तो अपाला ने सोम की बेल को दांतों से दबाकर उसका रस निकालकर उन्हें पिलाया। इससे देवराज ने प्रसन्न होकर वर मांगने को कहा। अपाला ने चम रोग रहत सौंदर्य का वरदान मांग लिया। इस पर देवराज ईश्वर ने उसका चम रोग दूर कर उसे आकर्षक बन दिया। उधर, अपाला के जाने के बाद से कृश्ण वो भी अपनी गलती का अहसास हुआ। पश्चाताप करते हुए, वे फिर ऋषि अत्रि के आश्रम में उसे लैने पहुँचे। अपनी पत्नी को नए रूप में प्राप्त कर वे बहुत खुश हुए।

## बुधवार के शुभ संयोग में मनेगी तिलकुंद चतुर्थी



इस दिन भगवान श्रीगणेश और चंद्रमा की पूजा की जाएगी। इस व्रत को करने से जब और विजेन्स की परेशनियां दूर हो जाती हैं। मानसिक शांति भी मिलती है। घर में खुशहाली बढ़ती है।

### शुभ योग और ग्रह स्थिति

माघी चतुर्थी पर पच और रवियोग बन रहे हैं। साथ ही बुधवार भी रहेगा। गणेश पूरण के मुताबिक इस वार को गणेश जी प्रकट हुए थे। वहीं, इस तिथि पर बुधपति भी खुद की राशि में रहेगा। ग्रह-योग की शुभ स्थिति बनने से इस दिन किए गए व्रत और पूजा-पाठ का शुभ फल और बढ़ जाएगा।

### दान का महत्व

माघ महीने होने के कारण इस चतुर्थी तिथि पर दान का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान गणेश को तिल के लड्डूओं का भोग लगाया जाता है। इसके बाद प्रसाद के रूप में इन्हें बांदा जाता है। इसके अलावा जलूरपांद लोगों को ऊंची कपड़े, कंबल और भोजन दिया जाता है। वहीं खासतौर से तिल से सीता खाने की चीजों का दान करने से हर तरह के पाप खत्म होते हैं।

### व्रत और पूजा विधि

तिलकुंद चतुर्थी पर सुबह जल्दी नहाकर साफ कपड़े पहनें। इसके बाद भगवान श्री गणेश की पूजा और व्रत का संकल्प ले। फिर पूजन करें। पूजन करते वक्त ऊंचे गणेश जी के रूप में इन्हें बांदा जाएं। मंत्र बोलें और गणेश जी की मूर्ति को पंचमत और स्नान कराएं। नमः मंत्र बोलें। फूल, फल, चावल, रोली, मौली चढ़ाएं। इसके बाद तिल अथवा तिल-गूड से बीजों मिठाइयें और लड्डूओं का भोग लगाएं। फिर भगवान गणेश को धूप-दीप दर्शन कराएं। शाम को कथा सुनने के बाद गणेशजी की आरती करें।

### क्या है मान्यता

मान्यता है कि इस चतुर्थी के दिन व्रत रखने और भगवान गणेश की पूजा करने से जहां सभी कपट दूर हो जाते हैं, वहीं इच्छाओं और कामनाओं की पूर्ति भी होती है। इस दिन तिल दान करने का महत्व होता है। इस दिन गणेशजी को तिल के लड्डूओं का भोग लगाया जाता है। इसलिए इसे तिलकुंद चतुर्थी कहा जाता है।

## कलश के ऊपर क्यों रखते हैं नारियल

हिंदू धर्म में नारियल को बहुत ही शुभ माना जाता है। ज्योतिषास्त्र की मानें तो नारियल का पानी चंद्रमा का प्रतीक होता है और इसे भगवान को चढ़ाने से सुख समझी मिलती है और साथ ही इससे दुख दर्द होते हैं। आइए जानते हैं कि आखिर माहिलाओं का नारियल फोड़ना क्यों प्रिय है और इसके पीछे आध्यात्मिक और वैज्ञानिक कारण क्या हैं...

धर्म में किसी भी प्रकार की पूजा पाठ में नारियल का प्रयोग जरूर किया जाता है। जाहे कोई त्योहार की पूजा हो या यानि गृह प्रवेश हो, किसी सांस बड़े सामान की खरीदारी हो या पिर शादी विवाह का कार्यक्रम हो नारियल का महत्व होता है।

माहिलाएं क्यों नहीं फोड़ती नारियल

हिंदू धर्म में माहिलाओं को नारियल फोड़ना वर्जित है। ऐसा इत्यालाइ है क्योंकि नारियल एक बीज है और उनके बीच नारियल उत्तरांश का कारक होती है। वे एक बीज से ही संतान को पैदा करती हैं। इसी कारण से माहिलाएं कभी भी नारियल को नहीं लोड़ती। ऐसा माना जाता है कि अगर माहिलाएं नारियल फोड़ती हैं तो ऐसा करने से उनके संतान के जीवन में कई तरह की समस्याएं आ सकती हैं।

नारियल का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म नारियल का धार्मिक महत्व सबसे ज्यादा है। पौराणिक कथाओं की मानें तो कहा जाता है कि धरती पर



नारियल के पेड़ भावान विष्णु और माता लक्ष्मी की ने लगा थे।

नारियल के पेड़ को कल्पत्रैक के

## रिलीज से पहले पठान का विरोध तेज, गुजरात के सिनेमाघर में तोड़फोड़, पांच गिरफ्तार



देश भर में पठान फिल्म को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। जैसे-जैसे इस फिल्म की रिलीज की खबरें मिल रही हैं। वैसे ही बायकॉट की खबरें मिल रही हैं। हाल ही में गुजरात के सूरत में ऐसी ही एक घटना देखने को मिली यहां विश्व हिंदू परिषद के कुछ कार्यकर्ताओं ने एक सिनेमा हॉल में तोड़फोड़ की। बता दे कि फिल्म पठान के चलते बायकॉट की धराकियों का समाना कर रही है। इस गाने में अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने भागा रंग की बिकिनी पहनी है। कुछ संगठनों को इस पर कड़ा एतराज है, जिसके चलते जगह-जगह इस फिल्म का विरोध देखा जा रहा है। बता दे कि फिल्म पठान 25 जनवरी को रिलीज होने जा रही है। इससे पहले कई संगठन बहलकर इसके विरोध में आये हैं। इसके बाद पुलिस ने पांच कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, एक सिनेमाघर से शिकायत मिली थी कि कुछ लोग फिल्म का विरोध करने के लिए पोस्टर्स फाड़कर उपड़व कर रहे हैं। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जो विश्व हिंदू परिषद से

ऐ वतन मेरे वतन मूवी में सारा अली खान फ्रीडम फाइटर के रोल में आयेगी नजर



बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान की अपकर्मिंग फिल्म 'ऐ वतन मेरे वतन' का टीजर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में सारा फ्रीडम फाइटर का किरदार निभाती हुई नजर आ रही है। इस टीजर को शेर्य करते हुए सारा ने लिखा, 'युग्मानम हीरोज के लिए एक ब्राह्मजलि, भारत की आजादी के संघर्ष के लिए एक श्रद्धाञ्जलि। एक ऐसी काफी है जो बताने के लिए बहुत एक्साइटेड और सम्मानित महसूस कर रही है, जिसे हम वास्तव में मानते हैं कि वो सुनने लायक है। ये फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली है।' इस टीजर में सारा एक बंद करने में है और वो रेडियो पर कहती है, 'अंग्रेजों का लग रहा है कि उन्होंने विकट ईंटिंग्या का सिर कुचल दिया है।' लेकिन, भालू की फिल्म के रिलीज होने पर बायकॉट करने वाले किस हिंदू तक सफल हो पाते हैं। शाहरुख के फैम जहां फिल्म की रिलीज का इतजार कर रहे हैं। वहां, दूसरी तरफ देढ़ एनालिस्ट को इंतजार है। वहां, दूसरी तरफ देढ़ एनालिस्ट को इंतजार है। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जो विश्व हिंदू परिषद से

## ब्लॉकबस्टर साबित हुई चिरंजीवी की बाल्टेयर वीरैया, आचार्य और गॉडफादर को भूले दर्शक



चिरंजीवी की हालिया प्रदर्शित फिल्म बाल्टेयर वीरैया बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हो गई है। बॉक्स कॉली द्वारा निर्देशित इस मासल एंटरटेनमेंट ने दर्शकों के जेहन से चारंजीवी की पिछली दो असलीओं—आचार्य और गॉडफादर—भुलाने में सहायता की है। इस फिल्म के साथ ही प्रदर्शित हुई बालाकृष्ण की वीरा सिन्हा रेडी बॉक्स ऑफिस पर चारंजीवी की फिल्म से एक दिन पहले प्रदर्शित होने के बावजूद कारोबार के मामले में उससे बहुत ज्यादा पीछे रह गई है।

सुपरस्टर चिरंजीवी की बाल्टेयर वीरैया दर्शकों का मानोरंजन करना जारी रखे हुए है क्योंकि यह बॉक्स ऑफिस पर मोटी कमाई कर रही है। 8वें दिन 124 करोड़ रुपये के करीब कलेक्शन करने के बाद, फिल्म ने शनिवार को 9 करोड़ रुपये कमाए, जिससे कलेक्शन 132.75 करोड़ रुपये हो गया। रविवार को फिल्म अपनी पकड़ कमजूब करने में कामयाब होगी और बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद है कि रविवार को यह फिल्म 10 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफल हो जाएगी। दूसरी ओर, वीरा सिन्हा रेडी ने अभी तक

100 करोड़ रुपये का अंकड़ा पार नहीं किया है। कहा जाता है कि नौवें दिन तक 89.05 करोड़ रुपये की कमाई करने के बाद, फिल्म ने शनिवार को 2 करोड़ रुपये कमाए, जिससे कुल 91.05 करोड़ रुपये हो गए। उम्मीद है कि यह फिल्म रविवार को उछल लेते हुए लाभग्र 3 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफल होते हुए स्वयं

## थुनिवु से आगे निकली वारिसु 150 करोड़ से 5 कदम दूर

गत 11 जनवरी को प्रदर्शित हुई अभिनेता थलापति विजय की वारिसु पैन ईंडिया के तौर पर प्रदर्शित होने के बाद से लगातार सभी भाषाओं में बेहतरीन कारोबार करने में सफल हुई है। फिल्म ने पिछले 11 दिनों में बॉक्स ऑफिस पर लगभग 145 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त कर ली है। इस फिल्म को अधिनेता अजित की फिल्म थुनिवु से बॉक्स ऑफिस पर कड़ी टकराए गए, इसके बावजूद इसने थिरिव से बढ़त बनाई रखने में सफलता प्राप्त की है।

गोरतालव है कि अजित अभिनेता थुनिवु ने

कारोबार किया।

फिल्म ने पहले 11 दिनों में जो असाधारण व्यवसाय किया, उसके कारण निर्माताओं ने जश्न मनाया। संगीतकार थमन ने संपर्क वेश से कुछ तस्वीरें बाजारी की, जहां थलापति विजय, निर्देशक वामपाणी पेडिपल्ली और गोतिकर विवेक सहित पूरी टीम रिलीज की सफलता का जश्न मनाने के लिए मौजूद थी। वामपाणी पेडिपल्ली द्वारा निर्देशित, वरिसु एक पारिवारिक मनोरंजन है, जो पोंगल से पहले 11 जनवरी को बड़े पर्व पर हिट हुई थी।

हिन्दी भाषा में यह फिल्म 13 जनवरी को

प्रदर्शित हुई थी। अपने 9 दिन के प्रदर्शन में हिन्दी भाषा में फिल्म ने 7 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की है। यह थलापति विजय की हिन्दी में प्रदर्शित पिछली फिल्मों के ख्यातनाम निर्देशक तामिल तामिल वीडियो पेडिपल्ली ने किया है। इस फिल्म के अलावा, वीडियो एवं डिशेश की वारिसु ने अपनी जिंदगी के लिए कारोबार करने में सफलता प्राप्त की है।

वारिसु का निर्देशक वामपाणी पेडिपल्ली ने किया है। इस फिल्म के अलावा, दीवार भी सलीम-जावेद ने ही लिखी है।

सलीम खान, सलमान खान के पिता हैं जबकि

जावेद अंखर के बेटे फरहान अंखर और बैटी

जाया अंखर बॉलीवुड के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने सभी भाषाओं में 6.5 करोड़ का

गिरफ्तार किया था।

1975 में आई शोले भारतीय फिल्म इतिहास

की सभासे बेहतरीन फिल्मों में से एक है। इसके

अलावा अमिताभ बच्चन की ही डॉन और

दीवार भी सलीम-जावेद ने ही लिखी है।

सलीम खान, सलमान खान के पिता हैं जबकि

जावेद अंखर के बेटे फरहान अंखर और बैटी

जाया अंखर बॉलीवुड के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने जबकि

जाया अंखर फिल्म के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने जबकि

जाया अंखर फिल्म के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने जबकि

जाया अंखर फिल्म के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने जबकि

जाया अंखर फिल्म के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने जबकि

जाया अंखर फिल्म के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने जबकि

जाया अंखर फिल्म के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने जबकि

जाया अंखर फिल्म के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने जबकि

जाया अंखर फिल्म के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने जबकि

जाया अंखर फिल्म के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने जबकि

जाया अंखर फिल्म के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने जबकि

जाया अंखर फिल्म के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने जबकि

जाया अंखर फिल्म के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने जबकि

जाया अंखर फिल्म के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने जबकि

जाया अंखर फिल्म के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने जबकि

जाया अंखर फिल्म के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने जबकि

जाया अंखर फिल्म के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने जबकि

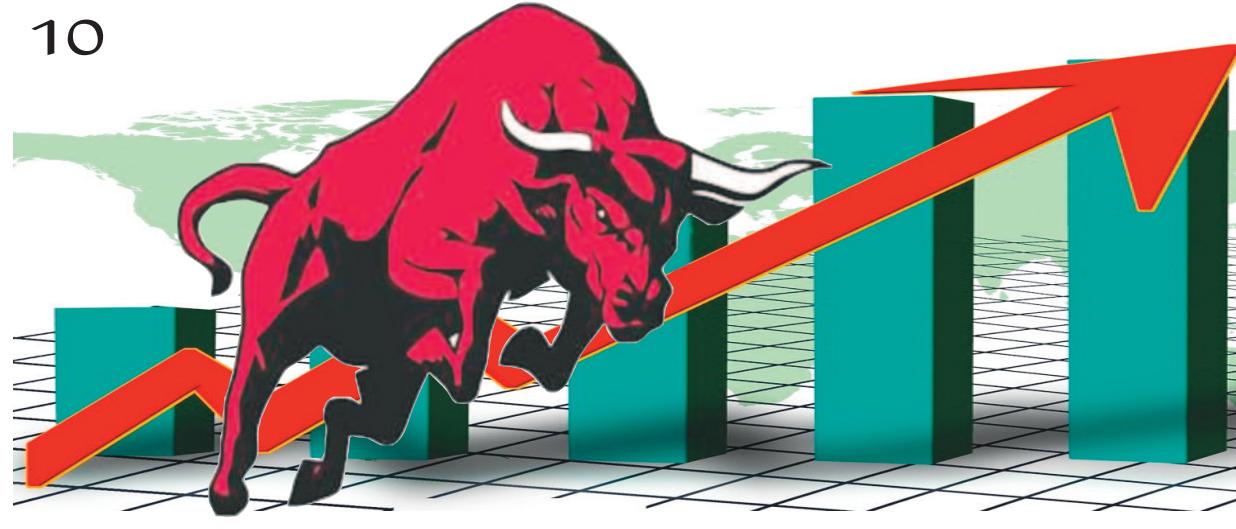
जाया अंखर फिल्म के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने जबकि

जाया अंखर फिल्म के टॉप के एक्टर-

फिल्म ने जबकि





## खर्च और खपत के दम पर सबसे तेज अर्थव्यवस्था बने रहने की कोशिश

### जीडीपी पांच लाख करोड़ डॉलर लक्ष्य

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। भारत को सबसे तेज अर्थव्यवस्था में से एक बनाए रखने के लिए 2023-24 के बजट में सरकार अपने खर्च में 33 फीसदी तक बढ़ाती कर सकती है। यानी बजट में अगले वित्त वर्ष के लिए 9-10 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया जा सकता है। पिछले बजट में इसके लिए 7.50 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। डॉ. कोहली का कहना है कि सरकार अगर खर्च बढ़ाती है तो इससे न सिर्फ निजी निवेश को बढ़ावा दिलेगा बल्कि खपत भी बढ़ेगी। इससे आर्थिक बृद्धि को समर्थन मिलेगा।

बार्कलेज ने एक रिपोर्ट में कहा कि खर्च बढ़ाकर सरकार मुख्य तौर पर इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास पर ज्यादा जोर देगी। रोजगार बढ़ाने में भी मिलेगी।

राजकोषीय घाटे पर भी रोजगार व्यापार



ज्यादा की हिस्सेदारी दो लाख करोड़ से अधिक है।

रोजगार गारंटी योजना पर विचार

देश में रोजगार बढ़ाने के लिए शहरी रोजगार गारंटी योजना पर विचार किया जा सकता है।

मात्रीय उद्योग महासंघ के अध्यक्ष संजीव बजाज का कहना है कि इस बजट में इसकी शुरुआत महानगरों से हो सकती है।

असंगठित क्षेत्र को मिल सकता है उद्योग का दर्जा

रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए 2022 एक ऐतिहासिक वर्ष रहा। इस दौरान 2021 की तुलना में मानकों की विक्री में 50 फीसदी से

ज्यादा की तेजी दर्ज की गई। इस रफतार को बनाए रखने के लिए बजट में कुछ चूंतीयों का समाधान ढूँढ़ा होगा। रियल एस्टेट को एक असंगठित क्षेत्र के रूप में जाना जाता है।

देश की जीडीपी में दूसरा सबसे बड़ा योगदान देने वाले क्षेत्र को इस बजट में उद्योग का दर्जा मिल सकता है।

इससे क्षेत्र को संगठित और पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी। रोजगार जीएसटी का रियल एस्टेट पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसलिए क्षेत्र में छोटे ब्रॉकरों को योगदान देने वाले क्षेत्र को इस बजट में उद्योग का दर्जा मिल सकता है।

कम व्याज पर कर्ज देने के लिए बने सरकारी फंड

देश में डेवलपरों को जो कर्ज मिल रहा है, वह होम लॉन से 6 फीसदी से 8 फीसदी ज्यादा है। अमरीका और वित्त मंत्रालय को एक सरकारी फंड बनाना चाहिए। इससे डेवलपरों को कम व्याज पर कर्ज मिले। इससे मकान सस्ते होंगे। व्याज दरों को भी स्थिर किया जाए।

इसके अलावा, देश में करीब 10 लाख रियल एस्टेट ब्रॉकर हैं। उनमें से ज्यादातर को जीएसटी का दायरे में लाना चाहिए। इससे सरकार को ज्यादा टैक्स मिलेगा। कौशल को बढ़ावा देने के घटाकर 5 फीसदी किया जा सकता है।

कम व्याज पर कर्ज देने के लिए बने सरकारी फंड

देश में डेवलपरों को जो कर्ज मिल रहा है, वह होम लॉन से 6 फीसदी से 8 फीसदी ज्यादा है। अमरीका और वित्त मंत्रालय को एक सरकारी फंड बनाना चाहिए। इससे डेवलपरों को कम व्याज पर कर्ज मिले। इससे मकान सस्ते होंगे। व्याज दरों को भी स्थिर किया जाए।

इसके अलावा, देश में करीब 10 लाख रियल एस्टेट ब्रॉकर हैं। उनमें से ज्यादातर को जीएसटी का दायरे में लाना चाहिए। इससे सरकार को ज्यादा टैक्स मिलेगा। कौशल को बढ़ावा देने के घटाकर 5 फीसदी किया जा सकता है।

सितंबर तिथियां में इनका फायदा 25,685 करोड़ था। पहली छमाही में 40,991 करोड़ था। इनका पूंजी पर्याप्तता अनुपात आरोपी आई देश में गिरावट देखने को मिली।

शुरुआती बैंक एक लाख करोड़ का फायदा करता है। बैंक अपनी नॉन-कोर्स संपत्तियां बेचकर बैंक का रकम जुटा रहे हैं।

विशेष:- राशिफल ग्रन्थ के गोचर के आधार पर लिखा गया है। सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कृण्णी दिखाना चाहिए।

## 24 हजार टन सोना पहनती है भारतीय महिलाएं

1947 में दिल्ली-मुंबई फ्लाइट टिकट 10 जीएम सोने से ज्यादा, 20 साल में 10 गुना महंगा



नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। मकर संक्रान्ति के बाद से खरामस खत्म होते ही लान महंगत शुरू हो गया है। देश में शारदीयों का माहौल है। ऐसे मौके पर सोने की ज्वलरी बनवाने का दौर पर शुरू हो गया है। आज सोने की कोमत भले ही हर 10 ग्राम 58 हजार रुपए के पार पहुंच गई है, मगर आकांक्षा एक दिलचस्पी फैल रही है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा है।

ज्यादा जीडीपी की घटना द्वारा ज्यादा खर्च बढ़ाया जा रहा ह

# 2 साल में दोगुनी हुई 1 जीबी डेटा की कीमत

(एक्सक्लूसिव डेस्क), 23 जनवरी। क्या आप जानते हैं कि सस्ते इंटरनेट के मामले में भारत दुनिया के सभी देशों में 5वें नंबर पर है? लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके बावजूद पिछले साल में भारत में मोबाइल इंटरनेट यूजर्स की संख्या नहीं बढ़ी है।

देश में पिछले 2 सालों में आईटी सेक्टर में एए बूम और टेक स्टार्ट-अप्स की बाज से ऐसा लगता जरूर है कि जैसे पूरा दश मोबाइल इंटरनेट यूजर्स हो गये हैं। हालांकि, इसके अनुपात में अगर हम मोबाइल इंटरनेट यूजर्स की संख्या देखें तो तस्वीर अलग नजर आती है।

द्वाये हर महीने देश में इंटरनेट यूजर्स का डेटा जारी करता है। इसके मुत्तु अक्टूबर, 2021 में देश में कुल 77.30 करोड़ लोग मोबाइल इंटरनेट यूज कर रहे थे। अक्टूबर, 2022 में यह संख्या बढ़कर 78.91 करोड़ तक ही पहुंची है। यानी सिक्क 2% की बढ़त हुई है।

ये आंकड़ा चिंताजनक इसलिए है क्योंकि 2014 से 2020 के बीच मोबाइल इंटरनेट यूजर्स की संख्या हर साल लगभग दोगुनी हो रही थी। मगर 2020 के बाद से इस पर ब्रेक संलग्न गया है।

टेलीकॉम कंपनियां इसके लिए स्पार्कोन्स के दामों में एए उड़ाता को जिम्मेदार ठहराती हैं।

लेकिन आंकड़ों को थोड़ा और खंगाले तो समझ में आता है कि इसकी असली वजह कुछ और जिस पर टेलीकॉम कंपनियां अभी ध्यान नहीं दिलाना चाहतीं।

आज भारत सस्ते इंटरनेट के मामले में पॉच्यून नंबर पर है,

नहीं बढ़ रहे इंटरनेट यूजर्स, 45% लोग स्मार्टफोन रखते हैं मगर इंटरनेट यूज नहीं करते

## 3.25 रुपए का है

भारत की डेटा कीमतों की अगर उन देशों से तुलना करें जो भारत में डेटा कीमत लगभग दोगुनी हो गई है।

कैसे इंटरनेट बेस्ड कंपनियों के लिए सबसे बड़ा बाजार माने जा रहे भारत में डेटा कीमतों की वजह से इंटरनेट यूजर्स हो गये हैं।

## पहले समझिए, भारत में डेटा कीमतें किस तरह बढ़ी हैं

2020 में 7 रुपए का था 1 जीबी डेटा। 2022 में कीमत 14 रुपए का हो गया।

बल्डवाइड मोबाइल डेटा प्राइसिंग रिपोर्ट हर साल पूरी दुनिया के 23 देशों की एक वातावर होती है। इसमें वातावर जाता है कि इन देशों में 1 जीबी डेटा की औसत कीमत 3.25 रुपए है। यानी इजरायल में डेटा की कीमत आधी से कम हो गई है।

दुसरा उदाहरण इटली का है। 2020 में सस्ते इंटरनेट के मामले में इटली की औसत वजह से यूजर्स दोगुना हो गया।

2020 की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में सबसे सस्ता इंटरनेट यूजर्स की संख्या हर साल लगभग दोगुनी हो रही थी। उस वातावर होती है कि इसमें वातावर जाता है कि इन देशों में 1 जीबी डेटा की औसत कीमत कितनी है।

2020 की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में यूजर्स की अंकड़ा दोगुने हो गया।

पहले हर साल दोगुने हो रहे ये मोबाइल इंटरनेट यूजर्स अब 2% ही बढ़ रहे।

द्वाये हर महीने देश में कुल मोबाइल इंटरनेट यूजर्स का आंकड़ा जारी करता है। उसकी वातावर दोगुनी हो गई है।

यानी भारत में डेटा की कीमत 7.31 रुपए थी। मार 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 1 जीबी डेटा की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

पहले हर साल दोगुने हो रहे ये मोबाइल इंटरनेट यूजर्स अब 2% ही बढ़ रहे।

द्वाये हर महीने देश में कुल मोबाइल इंटरनेट यूजर्स का आंकड़ा जारी करता है। उसकी वातावर दोगुनी हो गई है।

यानी भारत में डेटा की कीमत 13.81 रुपए हो गई है।

यानी भारत में डेटा की कीमत वढ़कर 78.91 रुपए थी। मार 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 1 जीबी डेटा की औसत कीमत 7.31 रुपए थी।

अक्टूबर, 2017 में ये बढ़कर 10.80 करोड़, 2016 में 17.38 करोड़ हो गए।

अक्टूबर, 2017 में ये बढ़कर 32.17 करोड़ हो गए।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में 7.31 रुपए की औसत कीमत 9.75 रुपए है।

यानी इजरायल में 2020 में

# यूक्रेन को मिलेगा खतरनाक टैक 'लेप्ड'

बर्लिन, 23 जनवरी (एजेंसियां)। जर्मनी में यूएस रैमस्टीन एयरबेस में शुरू हो, यानी 20 जनवरी को 50 दौशों ने मुलाकात की थी। इस मुलाकात का मकसद यूक्रेन को रूस से लड़ने में मदद के लिए खतरनाक टैक देना था। दो दिनों तक यह बैठक बनती रही।

जर्मनी अपने टैक्स यूक्रेन को देने में हिचक रहा है। हालांकि, रविवार को जर्मनी ने पोलैंड के जरिए यूक्रेन को अपना लेपर्ड 2 टैक देने की मंजूरी दी है। जर्मनी में बना लेपर्ड 2 टैक दुनिया के खतरनाक टैकों में से एक माना जाता है। अफगानिस्तान और सीरिया युद्ध में भी इसका इत्तेमाल किए जा चुका है।

**'हमें पता है ये टैक कितने जरूरी हैं'** पैरिस में एक मीटिंग के दौरान जर्मनी की विदेश मंत्री अन्ना लेना बेर्योना ने एक बयान दिया है। इसे यूक्रेन को टैक देने की मंजूरी के तारे पर देखा जा रहा है। मीटिंग में उन्होंने कहा कि हमें पता है कि ये टैक कितने महत्वपूर्ण हैं। इसलिए हमें अपने

जर्मनी की मंजूरी के बाद पोलैंड करेगा डिलीवरी, जंग में रूस के टैकों पर भारी पड़ेगा।



पार्टनर्स के साथ इसकी डिलीवरी को लेकर इतनी बातचीत करनी पड़ रही है। हम चाहते हैं कि लोगों की जान बचे और यूक्रेन खुद को रूस के कबजे से आजाद करवा पाए। हालांकि जर्मनी खुद यूक्रेन को ये टैक नहीं देगा, बल्कि उसने पोलैंड की मंजूरी दी है कि वो जर्मनी में बने अपने लेपर्ड 2 टैक यूक्रेन को दे सकते हैं। दरअसल यूक्रेन को सीधे इस तरह के खतरनाक हथियार देना रूस से दूर्घानी को बढ़ावा होगा। इसके लिए जर्मनी बिल्कुल तैयार नहीं है। रूस ने भी यूक्रेन को खतरनाक हथियार देने पर चेतावनी दी रही है। जर्मनी में बना लेपर्ड 2 टैक दुनिया के खतरनाक हथियार देना एक माना जाता है। अफगानिस्तान और सीरिया युद्ध में भी इसका इत्तेमाल किए जा चुका है।

**जर्मनी ने अमेरिका को कहा था कि हमें पता है कि यूक्रेन को टैक देने की मंजूरी के तारे पर देखा जा रहा है।**

रूस का सामना करने के लिए यूक्रेन पूरी तरह से पश्चिमी देशों के हथियारों पर निर्भर करता है,

जो उसे मिल भी रहे हैं। हालांकि, अमेरिका समेत सभी पश्चिमी देश कुछ चुनिंदा हथियार यूक्रेन को देने में नाकामयाब रहे हैं। जिनकी यूक्रेन लगातार मांग कर रहा है। अमेरिका भी यूक्रेन को लेपर्ड 2 टैक देने का दबाव लगाए हुए हैं। इसी बीच जर्मनी ने मांग की थी कि अमेरिका भी अपने टैक अंग्राम यूक्रेन को दे।

यूक्रेन की फैसे मदद करेगा ये लेपर्ड टैक

## पाकिस्तान का पावर सिस्टम फेल

**कराची-लाहौर समेत अधिकतर बड़े शहरों में बिजली गुल**



में बिजली गुल हो गई है। इसके चलते पाकिस्तान के नेशनल ग्रिड की सिस्टम फ्रिक्वेंसी फैल हो गई।

पाकिस्तान में बायोलैप ने कहा कि सोमवार सुबह करीब साड़े सात बजे पाकिस्तान के नेशनल ग्रिड के ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि विदेशी ने एक बयान दिया है। पाकिस्तान के चलते पाकिस्तान के इलाकों में बिजली नहीं है। जिसके चलते पाकिस्तान के 22 जिले विनांकित हुए हैं। पाकिस्तान ने इन ऊर्जा संसाधनों ने भी बताया है कि किंवदं लाहौर के कई इलाकों में बिजली नहीं है।

के-इलेक्ट्रोकोर्ट के प्रवक्तव्य इमरान गाना ने अपने नए ऊर्जा संरक्षण प्लान का ऐलान किया था। बीते साल अट्टबूर में भी

पाकिस्तान में बिजली गुल हो गई।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान दिया है कि विदेशी ने एक बयान दिया है।

पाकिस्तान के ऊर





## विमेस आईपीएल टीमों से बोर्ड को मिलेंगे 4000 करोड़ बुधवार को होगी नीलामी, 800 करोड़ तक हो सकती है एक टीम की कीमत

खेल डेस्क, 23 जनवरी (एजेंसियां)। विमेस आईपीएल टीमों का आकर्षण बुधवार यानी 25 जनवरी को होना है। यानी इस दिन डिसाइड हो जाएगा कि कौन सी कंपनी किस टीम को खरीदती है। इस ऑक्शन से भारतीय क्रिकेट बोर्ड को 4 हजार करोड़ रुपए तक मिल सकते हैं।

न्यूयार्क एजेंसी पौर्तीआई के मुताबिक, एक टीम 500 से 600 करोड़ रुपए तक में बिक सकती है। बोली 800 करोड़ रुपए के ऊपर भी जा सकती है।

ये बड़े धूप मैदान में

महिला आईपीएल में टीम खरीदने के 30 से ज्यादा कंपनियां होड़ में हैं। इसमें मेस आईपीएल के मालिकों समेत अडाणी समूह, टोरेंट समूह, हल्दीयरम गुप्त, कैप्री ग्लोबल, कोक और आदिवाय खिलाड़ी ग्रुप शामिल है। इनमें से कई कंपनियां 2021 में मेस आईपीएल में टीम खरीदने की कोशिश कर चुकी हैं। पर वे नाकाम रहीं।



आईपीएल टीम के मालिक अपनी ही फ्रेंचाइज की एक महिला टीम चाहते हैं।

मुंबई इंडियास, राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली क्रिकेटस और केंद्रीय दुनिया भर में अपनी पहले से मौजूद मेस टीम के कलेक्शन में एक महिला आईपीएल टीम को भी जड़ा चाहते हैं। ऐसा करने के लिए सभी टीमों के मालिक गंभीरता से विचार कर रहे हैं।

मीडिया राइट्स में टीमों की हिस्सेदारी 80% तक बोर्ड ने हाल ही में विमेस आईपीएल के 5 साल के मीडिया राइट्स 951 करोड़ रुपए में बेचे हैं। यानी एक मैच 7 करोड़ रुपए का होगा। बोर्ड पहले पांच साल तक मीडिया राइट्स से हुई कमाई का 80% हिस्सा टीमों में डिस्ट्रीब्यूट करेगा। इसके बाद 5 साल 60% और उसके बाद 50% हिस्सा टीमों के खाते में जाएगा। इसके अलावा, फ्रेंचाइजी को सेंट्रल लिरेंसिंग राइट्स में टीमों की

प्राप्त राशि का 80 फीसदी भी मिलेगा। बाकी का रेवेन्यू स्पोर्ट्स, सेल्स और टिकट से मिलेगा।

इस साल मार्च में होगा पहला सीजन इस साल मार्च में खेला जाएगा। 5 टीमों के बीच कुल 22 मैच मंबई के डीवाय पाटील और ब्रेवारे रेस्टोरेंट में ही होंगे। वानखेड़े स्टेडियम में ही होंगे।

वानखेड़े स्टेडियम के लिए तैयार किया जाएगा। बीसीसीआई अब तक विमेस टी-20 चेलेंज आयोजित करता रहा था। इसके साथ क्रिकेट करता रहा है।

टीमें बिकने के बाद खिलाड़ियों का आकर्षण मीडिया रिपोर्टर्स के अनुसार, एक महिला आईपीएल टीम को ऑक्शन में खिलाड़ी खरीदने के लिए 12 करोड़ रुपए का पर्स मिलेगा। हर साल पर्स में 1.5 करोड़ रुपए का इजाफा होगा। 25 जनवरी को 5 टीमों के नाम सामने लिरेंसिंग राइट्स में टीमों की

हिस्सेदारी 80% तक बोर्ड ने हाल ही में विमेस आईपीएल के 5 साल के मीडिया राइट्स 951 करोड़ रुपए में बेचे हैं। यानी एक मैच 7 करोड़ रुपए का होगा। बोर्ड पहले पांच साल तक मीडिया राइट्स से हुई कमाई का 80% हिस्सा टीमों में डिस्ट्रीब्यूट करेगा। इसके बाद 5 साल 60% और उसके बाद 50% हिस्सा टीमों के खाते में जाएगा। इसके अलावा, फ्रेंचाइजी को सेंट्रल लिरेंसिंग राइट्स में टीमों की

## एंड्रेयू टाई ने डाला बिग बैश का सबसे महंगा ओवर स्ट्राइक पर खड़े फिंच ने मारे 30 रन, एक रन नॉ बॉल से आया

पथं, 23 जनवरी (एजेंसियां)। एंड्रेयू टाई ने रविवार को बिग बैश इतिहास का सबसे महंगा ओवर फेंका। यह स्ट्रॉक्सर के तेज गेंदबाज ने पर्थ स्टेडियम में मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ अपनी टीम के बोर्डमैट मैच के द्वारा अपने आखिरी ओवर में 31 रन दिए।

पथं, 23 जनवरी (एजेंसियां)। एंड्रेयू टाई ने रविवार को बिग बैश इतिहास का सबसे महंगा ओवर फेंका। यह स्ट्रॉक्सर के तेज गेंदबाज ने पर्थ स्टेडियम में मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ अपनी टीम के बोर्डमैट मैच के द्वारा अपने आखिरी ओवर में 31 रन दिए।

फिंच के एक ओवर में 31 रन के बोर्डमैट मैच के द्वारा अपने वानखेड़े रुपए में 30 रन निकले, वहाँ एक रन नॉ बॉल के जरिए आया। टाई ने इस ओवर के कारण बिग बैश लीग का तीसरा सबसे महंगा स्पेल (4/63) भी



10 रन कम रहे। जहां स्ट्रॉक्सर ने पहली पारी में 212 रन बनाए। वहीं स्टेडियम 202 रन की बाजी से आया।

पहली पारी में कैमरून बैनक्रॉफ्ट की 50 गेंदों पर नाबाद 95 रन और स्ट्रॉब एरिकनाजी की 29 गेंदों में 54 रन की पारी ने स्ट्रॉक्सर की 5 विकेट पर 202 के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचा। यहां बिंच में रेसेंगेस ने फिंच, शान मार्श (34 गेंदों में 54 रन) की मदद से टीम 200 का आकड़ा पार कर पाई। स्ट्रॉक्सर के स्पिनर एश्टन टर्नर ने अपने तीन ओवर के स्पेल में 3-3 से बराबरी पर थीं। मैच में भारत

परेश नहीं ढील पाते हैं। रविवार को क्रॉसओवर मुकाबले में न्यूजीलैंड ने भारत को पेनलटी शूटआउट में 5-4 से हरा दिया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 3-3 से बराबरी पर थीं। मैच में भारत

## क्या महत्वपूर्ण मैचों के लिए हमारे प्लेयर्स मेंटली तैयार नहीं

### मेस हाँकी टीम के कोच ग्राहम रीड ने कहा - टीम को मेंटल कंडीशनिंग कोच की जरूरत

भवनेश्वर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय हाँकी टीम के हेड कोच जामान रिट ने रविवार रात न्यूजीलैंड के खिलाफ हालने और वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद कहा कि, अगे बढ़ने के लिए हमें मेंटल कंडीशनिंग कोच की जरूरत है। रीड के बात बात देखेंगी हैं। भारतीय मेंस स्ट्रॉब एरिकनाजी की 29 गेंदों में 54 रन की पारी ने स्ट्रॉक्सर को 202 के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचा। यहां बिंच में रेसेंगेस ने फिंच, शान मार्श (34 गेंदों में 54 रन) की मदद से टीम 200 का आकड़ा पार कर पाई। स्ट्रॉक्सर के स्पिनर एश्टन टर्नर ने अपने तीन ओवर के स्पेल में 3-3 से बराबरी पर थीं। मैच में भारत

“द्रेनिंग में कोई कमी नहीं, लेकिन हमें मानसिक ऊपर से मजबूत होने की ज़रूरत है।

ग्राहम रीड (कोच, मेस हाँकी टीम)



ने दबदबा बनाने की कोशिश की,

लेकिन पेनल्टी शूटआउट में टीम प्रेशर का शिकाया हो गई।

मानसिक ऊपर से मजबूत होना ज़रूरी

होना ज़रूरी

दोनों ही टीमों ने 9-9 प्रयास के आगे कहा कि, जहां तक द्रेनिंग के बारे में न्यूजीलैंड ने 5 और उत्तर से गोल दागे। यहां तक द्रेनिंग के बारे में न्यूजीलैंड ने गोल दागे।

दोनों ही टीमों ने 4-4 से गोल दागे।

</div

